राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS)

के अंतर्गत

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यचर्या संरचना (LOCF)

स्नातक (पत्रकारिता एवं जनसंचार): प्रथम वर्ष

सत्र : 2022-23

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित)

गांधी हिल्स, वर्धा 442001 महाराष्ट्र, भारत

वेबसाइट: http://www.hindivishwa.ac.in

विद्यापीठ

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

विभाग

जनसंचार विभाग

विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 04 के अनुसार:

विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना, हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना, देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना, विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना, और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना होगा।

विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)
हिंदी माध्यम से उच्च शिक्षा में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के विषयों यथा जनसंचार, जनजातीय अध्ययन व समाजकार्य, इतिहास विभाग, राजनीतिशास्त्र और समाजशास्त्र के अध्ययन और अनुशीलन को बढ़ावा देकर ज्ञान का विस्तार करना।मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत संचालित जनसंचार विभाग, मानवविज्ञान विभाग, महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य केंद्र, इतिहास विभाग, राजनीतिशास्त्र और समाजशास्त्र विभाग के पाठ्यक्रमों का उद्देश्य शिक्षार्थी को रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराना और उसे समर्थ और कुशल व्यक्तित्व उपलब्ध कराना है।

2. विभाग/केंद्र की कार्ययोजना (Action Plan ofthe Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा:

जनसंचार विभाग संपूर्ण भारत की विभिन्न भाषाओं में गुंथी हुई संचार व्यवस्था केंद्रित अध्ययन व अनुसंधान को समर्पित है।

विभाग का ध्येय

1. संचार की वाचिक परंपरा तथा लिपिविहीन समाजों की संचार संपदा का संकलन और अध्ययन।
2. हिंदी मीडिया की भाषा में हो रहे विकास और ह्रास का अनुशीलन और समुचित दिशा देने का यत्न।
3. स्थान और समय की चुनौतियों के अनुरूप हिंदी मीडिया की भाषा का सिद्धांत निर्माण।
4. इंटरनेट पर उपलब्ध ज्ञान का उपयोग करना और अपने ज्ञान को उस पर अपलोड करना और डिजिटल आर्काइव बनाना।
5. भारत की विभिन्न भाषाओं के मीडिया के साथ हिंदी मीडिया का संबंध जोड़ना और विभिन्न भाषाओं की पत्रकारिता में सहकार संबंध स्थापित करना। भारत की समस्त भाषाओं के मीडिया में संचार सौंदर्य का संकलन और अनुशीलन।
6. सही और गलत समाचारों को अलग करने का शास्त्र और उसकी तकनीक विकसित करना और उसका प्रशिक्षण देना।
7. भोजपुरी, अवधी, बघेली, बुंदेलखंडी, अंगिका, ब्रज, हरियाणवी आदि बोलियों वाले समाज तथा हिंदीतर भाषाओं के सांस्कृतिक संचार के रूपक और प्रतिमानों का अध्ययन और संकलन।

ध्येय पूर्ति हेतु कार्ययोजना

1. हिंदी मीडिया की भाषा के स्वरूप को गढ़ना और निरंतर समृद्ध करते रहना। उदाहरण के लिए मुबंई के हिंदी मीडिया में मुंबइया हिंदी, हैदराबाद में हैदराबादी हिंदी, कलकत्ता में कलकतिया हिंदी, भोपाल के हिंदी मीडिया में भोपाली हिंदी के संचार प्रभावों का अध्ययन। विज्ञापन की भाषा में भी स्थानीय भाषा के प्रयोग की संभावनाओं का अध्ययन।
2. किसान की भाषा, मजदूर की भाषा, व्यापारियों की भाषा, निम्न मध्यवर्गीय भाषा, सधुक्कड़ी भाषा, घुमंतू और विलुप्त हो रही जनजातियों की भाषा के संचार प्रभावों का अध्ययन।
3. जनभाषा, शास्त्र की भाषा और बाजार की भाषा के बीच संवाद स्थापित करते हुए मुद्रित, दृश्य-श्रव्य और नव माध्यम के लिए लेखन का प्रशिक्षण।
4. वर्तनी का मानकीकरण, सरलीकरण और देशीकरण। तदनुसार मीडिया पाठ्यक्रम तैयार करना और प्रशिक्षण का प्रबंध करना।
5. हिंदी मीडिया का शब्द निर्माण। शब्द कोश निर्माण।

स्नातक (पत्रकारिता एवं जनसंचार): प्रथम वर्ष
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप

1. **विभाग/केंद्र का नाम** : **जनसंचार विभाग**
2. **पाठ्यक्रम का नाम** : **स्नातक (पत्रकारिता एवं जनसंचार)**
3. **पाठ्यक्रम कोड** :
4. **अपेक्षित अधिगम परिणाम** :

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
1 विद्यार्थी जनसंचार एवं पत्रकारिता की सैद्धांतिकी का मूल ज्ञान अर्जित करेंगे। 2 विद्यार्थी भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता का ज्ञानार्जन करके पत्रकारिता के माध्यम से भाषा के उत्थान में कार्य करेंगे। 3 विद्यार्थी में अंतरराष्ट्रीय जनमाध्यमों की समझ विकसित होगी। 4 विद्यार्थी भारतीय एवं वैश्विक विधि व नैतिक मूल्यों का ज्ञान अर्जित करेंगे। 5 विद्यार्थी में सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के दायित्व की समझ विकसित होगी।	6 विद्यार्थी संचार कौशल में दक्षता प्राप्त करेंगे। 7 विद्यार्थी प्रिंट मीडिया के विभिन्न कार्यक्षेत्रों में निपुण बनेगा। 8 विद्यार्थी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, रेडियो, टेलीविजन, फिल्म, न्यू मीडिया एवं फोटोग्राफी की तकनीकी दक्षता अर्जित करेंगे। 9 विद्यार्थी में डिजिटल संचार तकनीकी उपयोग की क्षमता विकसित होगी। 10 विद्यार्थी में विज्ञापन एवं जनसंपर्क की कार्यक्षमता बढ़ेगी। 11 विद्यार्थी में शोध कार्य करते हुए स्थानीय समस्याओं के समाधान का कौशल विकसित होगा। 12 विद्यार्थी में सहभागी संचार का प्रयोग एवं सांगठनिक रूप से कार्य करने की क्षमता का निर्माण होगा।	13 विद्यार्थी में मीडिया के व्यावसायिक एवं अकादमिक क्षेत्र में निपुणता आएगी। 14 स्नातक स्तर के कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न विधाओं में दक्ष, पेशेवर, मूल्यपरक मीडियाकर्मी तैयार होंगे। 15 विद्यार्थी प्रिंट मीडिया के विभिन्न आयामों जैसे- संपादन, रिपोर्टिंग, फ़िल्म लेखन, फ़ोटोग्राफ़ी इत्यादि में कार्य करने में दक्ष होंगे। 16 विद्यार्थी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के विभिन्न आयामों जैसे- विडियो संपादन, रिपोर्टिंग, ऐंकरिंग, विडियोग्राफ़ी इत्यादि में कार्य करने में दक्ष होंगे। 17 विद्यार्थी डिजिटल मीडिया के विभिन्न आयामों जैसे- वेब रिपोर्टिंग, संपादन, वेब प्रोडक्शन हेतु दक्ष होंगे। 18 विद्यार्थी मीडिया उद्यमी के रूप में तैयार होंगे।

पाठ्यक्रमसंरचना:

वर्ष	सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या एवं क्रेडिट (Core Course, code and credit)		ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)		योग
प्रथम वर्ष	प्रथम सेमेस्टर	संचार की अवधारणा एवं प्रक्रिया	4	मीडिया लेखन/ अन्य विभाग की पाठ्यचर्या का चयन	4	20 क्रेडिट
		भारतीय पत्रकारिता का इतिहास	4	अन्य विभाग की पाठ्यचर्या का चयन	4	
		प्रिंट मीडिया रिपोर्टिंग	**2**			
		इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रिपोर्टिंग	**2**			
	द्वितीय सेमेस्टर	डिजिटल पत्रकारिता	**4**	मोबाइल पत्रकारिता/ अन्य विभाग की पाठ्यचर्या का चयन	4	20 क्रेडिट
		प्रेस विधि	**2**	अन्य विभाग की पाठ्यचर्या का चयन	4	
		फ़ोटो पत्रकारिता	**2**			
		प्रिंट मीडिया न्यूज़ प्रोडक्शन (प्रायोगिक)	**2**			
		इलेक्ट्रॉनिक मीडिया न्यूज़ प्रोडक्शन (प्रायोगिक)	**2**			

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम : संचार की अवधारणा एवं प्रक्रिया**
2. **पाठ्यचर्या का कोड :**
3. **क्रेडिट : 4**
4. **सेमेस्टर : प्रथम सेमेस्टर**
5. **पाठ्यचर्या विवरण :**

- संचार की अवधारणा, प्रक्रिया और सिद्धांतों का अध्ययन एवं विवेचन।
- संचार एवं जनसंचार के प्रतिरूपों तथा उनके अनुप्रयोगों का अध्ययन।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टुडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

6. **अपेक्षित अधिगम परिणाम:**

- विद्यार्थियों में संचार की सैद्धांतिक समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थी संचार के सिद्धांतों एवं प्रारूपों का व्यावहारिक और व्यावसायिक जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

7. **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल/संवाद (यदि अपेक्षित है)	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1	**संचार की अवधारणा : संचार के प्रकार** • संचार का अर्थ एवं परिभाषा • संचार का महत्व एवं कार्य • संचार के तत्व एवं संचार के7 सी • संचार के चरण एवं मार्ग • अंतः वैयक्तिक संचार • अंतर वैयक्तिक संचार • समूह संचार • जनसंचार • ग्रेपवाइन संचार	**13**	**2**		**15**	**25%**
मॉड्यूल-2	**संचार के माध्यम** • परम्परागत माध्यम • मुद्रित माध्यम • श्रव्य माध्यम • दृश्य-श्रव्य माध्यम • डिजिटल माध्यम	**13**	**2**		**15**	**25%**
मॉड्यूल-3	**जनसंचार के नियामक सिद्धांत** • प्रभुत्ववादी सिद्धांत	**13**	**2**		**15**	**25%**

	• उदारवादी सिद्धांत • साम्यवादी सिद्धांत • सामाजिक उत्तर दायित्व का सिद्धांत • लोकतांत्रिक सहभागिता का सिद्धांत					
मॉड्यूल-4	**संचार एवं जनसंचार के सिद्धांत एवं प्रतिरूप** • अरस्तू का संचार प्रतिरूप • लासवेल का संचार प्रतिरूप • एसएमसीआर प्रतिरूप • शैनन वीवर गणितीय प्रतिरूप • विल्बर श्राम का संचार प्रतिरूप • एजेंडा सेटिंग सिद्धांत • उपयोगिता एवं परितुष्टि का सिद्धांत • स्पाइरल ऑफ़ साइलेंस • संचार के द्वि-चरणीय प्रवाह सिद्धांत	**13**	**2**		**15**	**25%**
योग		**52**	**8**		**60**	**100%**

टिप्पणी:

1 **प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यान, ई-व्याख्यान, परिचर्चा, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	पावर पॉइन्ट प्रेज़ेंटेशन, दृश्य- श्रव्य माध्यम, वेब पेज, ब्लॉग, सोशल, मीडिया, यू ट्यूब, मूडल्स
उपादान	लैपटॉप, मोबाइल, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स:

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य - 1**	**लक्ष्य - 2**	**लक्ष्य - 3**	**लक्ष्य - 4**	**लक्ष्य - 5**	**लक्ष्य - 6**	**लक्ष्य - 7**	**लक्ष्य - 8**	**लक्ष्य - 9**	**लक्ष्य - 10**	**लक्ष्य - 11**	**लक्ष्य - 12**	**लक्ष्य - 13**	**लक्ष्य - 14**	**लक्ष्य - 15**	**लक्ष्य - 16**	**लक्ष्य - 17**	**लक्ष्य - 18**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	**-**	**-**	**-**	**-**	**X**	**X**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**X**	**X**	**-**	**-**	**X**

टिप्पणी:

1 **X**-पाठ्यचर्या द्वारा **प्राप्त किये जाने वाले लक्षित** अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10.मूल्यांकन/ परीक्षा योजना:

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

बी.ए.जे.एम.सी. के लिए लिखित परीक्षा प्रारूप इस प्रकार होगी।

1	दीर्घ उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 3 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 15 अंक
2	लघु उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 4 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 5 अंक
3	बहु विकल्पीय	5 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 1 अंक
			कुल 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण(APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Denis McQuail, Mass Communication Theory, Third Edition, Sage Publication, 1994 • Keval J.Kumar, Mass Communication in India, Vikas Publication,s New Delhi, 1994 • Denis McQuail and SvinWindhal (1981). Communication Models, Longman, London. • VirBala Aggarwal (2001). Handbook Of Journalism and Mass Communication • Andal N. (1995). Communications Theories and Models.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• हींगड़, ए. (2012). संचार के सिद्धांत. जयपुर: राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. • राय, अनिल कुमार, (2006). संचार के सात सोपान. दिल्ली: यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन्स • सिंह, ओ. (2018). संचार के मूल सिद्धांत. दिल्ली: लोक भारती प्रकाशन. • राजगढ़िया, वी. (2008). जनसंचार सिद्धांत एवं अनुप्रयोग. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन. • सिंह, एस. (1992). सम्प्रेषण प्रतिरूप एवं सिद्धांत. फ़ैज़ाबाद: भारतीय पब्लिशर्स • Marshal McLuhan, Understanding Media: The Extensions of Man.
3	ई-संसाधन	**http://www.uprtou.ac.in/other_pdf/PGDEM&FP-01.pdf** **http://assets.vmou.ac.in/DMC01.pdf** **https://swayam.gov.in/** **https://epgp.inflibnet.ac.in/**
4	अन्य	Stephen W. Littlejohn & Karen A. Foss. (2009). Encyclopedia of Communication Theory. SAGE Publications, Inc.

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम : भारतीय पत्रकारिता का इतिहास**
2. **पाठ्यचर्या का कोड :**
3. **क्रेडिट : 4**
4. **सेमेस्टर : प्रथम सेमेस्टर**
5. **पाठ्यचर्या विवरण:**
   - भारतीय पत्रकारिता की ऐतिहासिक पृष्ठभूमिका अध्ययन एवं समसामयिक पत्रकारिता से उसके अंतरसंबंधों का विवेचन।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टुडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

6. **अपेक्षित अधिगम परिणाम:**
   - इस पाठ्यचर्या से विद्यार्थी भारतीय पत्रकारिता के इतिहास से भली-भांति परिचित हो सकेंगे।
   - इस पाठ्यचर्या से विद्यार्थी स्वाधीनता संग्राम और समाज सुधार में पत्रकारिता की भूमिका से परिचित हो सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु:

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल/संवाद (यदि अपेक्षित है)	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1	• भारत में पत्रकारिता का प्रारंभ • विलियम बोल्ट एवं जेम्स अगस्टस हिक्की के समाचार-पत्र • भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता • हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास	**13**	**2**		**15**	**25%**
मॉड्यूल-2	• स्वतंत्रता आंदोलन में प्रेस की भूमिका • पत्रकार के रूप में स्वतंत्रता सेनानी • स्वतंत्रता पूर्व की पत्रकारिता • स्वतंत्रता के बाद की पत्रकारिता	**13**	**2**		**15**	**25%**
मॉड्यूल-3	• संवाद कौमुदी, मिरात – उल अखबार, समाचार चंद्रिका • कविवचनसुधा, हिंदी प्रदीप, उचित वक्ता, केसरी, हिन्दोस्थान • सरस्वती, प्रताप, दैनिक विश्वमित्र, यंग इंडिया, आज • कर्मवीर, मूकनायक • मतवाला, हंस (मुंशी प्रेमचंद)	**13**	**2**		**15**	**25%**
मॉड्यूल-4	पत्रकारिता के द्वारा जातीय चेतना और समाज सुधार	**13**	**2**		**15**	**25%**

	• तिलक युग की पत्रकारिता • गांधी युग की पत्रकारिता • समाज सुधार की पत्रकारिता					
योग		**52**	**8**		**60**	**100%**

टिप्पणी:

1 प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल **15** घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यान, ई-व्याख्यान, परिचर्चा, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	पावर पॉइन्ट प्रेज़ेंटेशन, दृश्य- श्रव्य माध्यम, वेब पेज, ब्लॉग, सोशल, मीडिया, यू ट्यूब, मूडल्स
उपादान	लैपटॉप, मोबाइल, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स:

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य - 1**	**लक्ष्य - 2**	**लक्ष्य - 3**	**लक्ष्य - 4**	**लक्ष्य - 5**	**लक्ष्य - 6**	**लक्ष्य - 7**	**लक्ष्य - 8**	**लक्ष्य - 9**	**लक्ष्य - 10**	**लक्ष्य - 11**	**लक्ष्य - 12**	**लक्ष्य - 13**	**लक्ष्य - 14**	**लक्ष्य - 15**	**लक्ष्य - 16**	**लक्ष्य - 17**	**लक्ष्य - 18**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	**X**	**-**	**-**	**-**	**X**	**X**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**X**	**X**	**-**	**-**	**X**

टिप्पणी:

1 **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10.मूल्यांकन/ परीक्षा योजना:

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

बी.ए.जे.एम.सी. के लिए लिखित परीक्षा प्रारूप इस प्रकार होगी।

1	दीर्घ उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 3 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 15 अंक
2	लघु उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 4 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 5 अंक
3	बहु विकल्पीय	5 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 1 अंक
			कुल 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	

निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टुडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• श्रीधर, विजय दत्त (2016). भारतीय पत्रकारिता कोश. नई दिल्लीः वाणी प्रकाशन. • जे. नटराजन - भारतीय पत्रकारिता का इतिहास. दिल्लीः प्रकाशन विभाग. सूचना व प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार • मिश्र, कृष्ण बिहारी. हिंदी पत्रकारिताः जातीय चेतना और खड़ी बोली साहित्य की निर्माण भूमि. दिल्लीः भारतीय ज्ञानपीठ • अनुजा, डॉ. मंगला. भारतीय पत्रकारिताः नींव के पत्थर. भोपालः मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी
2	संदर्भ-ग्रंथ	• बर्नहार्ड, जिम (2007). हाउ न्यूजपेपर्स गेट देयर नेम्स. कोलंबियाः यूनिवर्सिटी आफ मिसौरी प्रेस. • एंड्रिज, अलेक्जेंडर (डि.सं. 2011). द हिस्टी आफ ब्रिटिश जर्नलिज्म वोल्यूम-1. आर. बेंटली. • दुबे, प्रो. श्यामाचरण (1986). संचार और विकास. नई दिल्लीः प्रकाशन विभाग, सूचना व प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार • मिश्र, अच्युतानंद (सं.) हिंदी के प्रमुख समाचार पत्र और पत्रिकाएं (दो खंड). भोपालः माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय • इंडिया कनेक्टेडः न्यू मीडिया के प्रभावों की समीक्षा, सुनेत्रा सेन नारायण और शालिनी नारायण (सं.), दिल्लीः सेज भाषा • Joglekar, K.G (2005) Press Freedom: The Indian Story, Publication Division, Ministry of Information and broadcasting, Govt of India • Jeffrey, Robin (2000) *Indians Newspaper Revolution: Capitalism, Politics and the Indian- Language Press 1977-99*, New Delhi: Oxford University Press • Ninan, Sevanti (2007) *Headlines from the Heartland: Reinventing the*

		Hindi Public Sphere, New Delhi: Thousand Oaks, Calif.: Sage Publications.
3	ई-संसाधन	• **https://swayam.gov.in/**
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम : प्रिंट मीडिया रिपोर्टिंग

2. पाठ्यचर्या का कोड :

3. क्रेडिट : 02

4. सेमेस्टर : प्रथम सेमेस्टर

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टुडियो/क्षेत्रकार्य	**12/2**
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण:

- प्रिंट मीडिया के लिए समाचार की संरचना एवं सिद्धांतों का अध्ययन करते हुए रिपोर्टिंग के विविध क्षेत्रों का अध्ययन एवं समाचार रिपोर्टिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम:

- विद्यार्थी में समाचार मूल्य की समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थी में रिपोर्टिंग एवं लेखन कौशल विकसित होगा।
- विद्यार्थीप्रिंट मीडिया में संवाददाता के रूप में कार्य करने में सक्षम होंगे।
- विद्यार्थीरिपोर्टिंग तकनीक तथा संसाधनों का प्रयोग करने में दक्ष होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु:

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद (यदि अपेक्षित है)	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		
मॉड्यूल-1	**समाचार की अवधारणा एवं रिपोर्टिंग के सिद्धांत** • समाचार: अर्थएवं परिभाषा • समाचार की संरचना एवं रिपोर्टिंग के प्रमुख सिद्धांत • समाचार के तत्व, मूल्य एवं स्रोत • समाचार रिपोर्टिंग की तकनीक एवं संसाधन • समाचार रिपोर्टर की विशेषताएं, कार्य, दायित्व एवं चुनौतियाँ	10	02	**6/2**	15	50
मॉड्यूल-2	**रिपोर्टिंग के विविध क्षेत्र** • अकादमिक रिपोर्टिंग • सांस्कृतिकरिपोर्टिंग	10	02	**06/2**	15	50

	• राजनीतिक रिपोर्टिंग • अपराध रिपोर्टिंग • आर्थिक रिपोर्टिंग • खेल रिपोर्टिंग • फिल्म रिपोर्टिंग					
योग		**20**	**04**	**12/2**	**30**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यान, ई-व्याख्यान, परिचर्चा, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	पावर पॉइन्ट प्रेज़ेंटेशन, दृश्य- श्रव्य माध्यम, वेब पेज, ब्लॉग, सोशल, मीडिया, यू ट्यूब, मूडल्स
उपादान	लैपटॉप, मोबाइल, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स :

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य - 1**	**लक्ष्य - 2**	**लक्ष्य - 3**	**लक्ष्य - 4**	**लक्ष्य - 5**	**लक्ष्य - 6**	**लक्ष्य - 7**	**लक्ष्य - 8**	**लक्ष्य - 9**	**लक्ष्य - 10**	**लक्ष्य - 11**	**लक्ष्य - 12**	**लक्ष्य - 13**	**लक्ष्य - 14**	**लक्ष्य - 15**	**लक्ष्य - 16**	**लक्ष्य - 17**	**लक्ष्य - 18**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	-	-	-	-	-	**X**	-	-	-	-	-	-	**X**	**X**	-	-	**X**

टिप्पणी:

1 **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

3 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10.मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

बी.ए.जे.एम.सी. के लिए लिखित परीक्षा प्रारूप इस प्रकार होगी।

1	दीर्घ उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 3 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 15 अंक
2	लघु उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 4 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 5 अंक
3	बहु विकल्पीय	5 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 1 अंक
			कुल 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन (30%)	**सत्रांत परीक्षा** (70%)

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• News Reporting & Editing: K.M. Shrivastava, Sterling Publishers, New Delhi
2	संदर्भ-ग्रंथ	• समाचार लेखन : पी.के. आर्य, प्रभातप्रकाशन, नई दिल्ली • समाचार फीचर लेखन एवं संपादन कला : हरिमोहन, तक्षशिला पब्लिकेशन, नई दिल्ली • खोजी पत्रकारिता– एच. भीष्मपल प्रकाशन विभाग -1988 • साइबर पत्रकारिता-विजय कुलश्रेष्ठ, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, 2012 • क्लारस रिपोर्टर- जयप्रकाश त्रिपाठी, अमन प्रकाशन कानपुर, 2014 • Reporting for Newspapers, Magazines, Radio & T.V.: B.N. Ahuja & S.S. Chhabra • Newswriting and Reporting: James M. Neal & Suzanne S. Brown, Blackwell, reprinted in India by Surjeet, 2007. • News Reporting and Writing: Alfred Lawrence Lorenz & John Vivian, Pearson Education, 2006. • "News Reporting and Writing". Mencher, Melvin,New York. McGrawHill Pub. 2003.
3	ई-संसाधन	**www.swayam.gov.in**
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम : इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रिपोर्टिंग

2. पाठ्यचर्या का कोड :

3. क्रेडिट : 02

4. सेमेस्टर : प्रथम सेमेस्टर

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**36**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**08**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टुडियो/क्षेत्रकार्य	**32/2**
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए समाचार की संरचना एवं सिद्धांत का अध्ययन करते हुए रिपोर्टिंग के विविध क्षेत्रों एवं समाचार रिपोर्टिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम:

- विद्यार्थी में समाचार मूल्य की समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थी में रिपोर्टिंग एवं लेखन कौशल विकसित होगा।
- विद्यार्थी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में संवाददाता के रूप में कार्य करने में सक्षम होंगे।
- विद्यार्थी रिपोर्टिंग तकनीक तथा संसाधनों का प्रयोग करने में दक्ष होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु:

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल/ संवाद** (यदि अपेक्षित है)	**प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**		
मॉड्यूल-1	**समाचार की अवधारणा एवं रिपोर्टिंग के सिद्धांत** ● समाचार संरचना एवं सिद्धांत ● समाचार के तत्व, मूल्य एवं स्रोत ● समाचार संकलन ● एंकर एवं रिपोर्टर के कार्य, दायित्व एवं चुनौतियाँ ● रन डाउन, वॉइस ओवर, बाईट, पीसटू कैमरा (पीटीसी) ● टेलीप्रोंप्टर ● ओबी वैन प्रसारण,सीधा प्रसारण एवं कमेंट्री	**08**	02	**10/2**	15	25
मॉड्यूल-2	**रेडियो एवं टीवी मीडिया रिपोर्टिंग तकनीक** ● रेडियो समाचार की संरचना ● रेडियोसमाचार की भाषा एवं प्रस्तुति ● रेडियो रिपोर्टिंग तकनीक एवं उपकरण ● टीवी समाचार की संरचना	**08**	02	**10/2**	15	25

	• टीवीसमाचार की भाषा एवं प्रस्तुति • टीवी रिपोर्टिंग की तकनीक एवं उपकरण					
योग		**36**	**08**	**32/2**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यान, ई-व्याख्यान, परिचर्चा, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	पावर पॉइन्ट प्रेज़ेंटेशन, दृश्य- श्रव्य माध्यम, वेब पेज, ब्लॉग, सोशल, मीडिया, यू ट्यूब, मूडल्स
उपादान	लैपटॉप, मोबाइल, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स :

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य - 1**	**लक्ष्य - 2**	**लक्ष्य - 3**	**लक्ष्य - 4**	**लक्ष्य - 5**	**लक्ष्य - 6**	**लक्ष्य - 7**	**लक्ष्य - 8**	**लक्ष्य - 9**	**लक्ष्य - 10**	**लक्ष्य - 11**	**लक्ष्य - 12**	**लक्ष्य - 13**	**लक्ष्य - 14**	**लक्ष्य - 15**	**लक्ष्य - 16**	**लक्ष्य - 17**	**लक्ष्य - 18**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	-	-	-	-	-	-	X	-	-	-	-	-	X	-	X	-	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10.मूल्यांकन/ परीक्षा योजना:

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

बी.ए.जे.एम.सी. के लिए लिखित परीक्षा प्रारूप इस प्रकार होगी।

1	दीर्घ उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 3 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 15 अंक
2	लघु उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 4 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 5 अंक
3	बहु विकल्पीय	5 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 1 अंक
			कुल 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	

पूर्णांक	30	70

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• News Reporting & Editing: K.M. Shrivastava, Sterling Publishers, New Delhi • भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, लेखक - डॉ. देवव्रत सिंह, प्रकाशक - प्रभात प्रकाशन, दिल्ली। • टेलीविजन समाचार लेखन और वाचन, लेखक - एचएच मुस्तफा जैदी, प्रकाशक - सुलभ प्रकाशन, लखनऊ।
2	संदर्भ-ग्रंथ	• खोजी पत्रकारिता – एच. भीष्म पल प्रकाशन विभाग -1988 • ब्रेकिंग न्यूतज - पुण्युप्रसून बाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000 • साइबर पत्रकारिता – विजय कुलश्रेष्ठ, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, 2012 • एंकर रिपोर्टर, लेखक – पुण्यप्रसून बाजपेयी, प्रकाशक – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। • Reporting for Newspapers, Magazines, Radio & T.V.: B.N. Ahuja & S.S. Chhabra • News writing and Reporting: James M. Neal & Suzanne S. Brown, Blackwell, reprinted in India by Surjeet, 2007. • News Reporting and Writing: Alfred Lawrence Lorenz & John Vivian, Pearson Education, 2006. • "News Reporting and Writing". Mencher, Melvin, New York. McGrawHill Pub. 2003.
3	ई-संसाधन	**www.swayam.gov.in**
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम : मीडिया लेखन**
2. **पाठ्यचर्या काकोड :**
3. **क्रेडिट : 04**
4. **सेमेस्टर : प्रथम सेमेस्टर**
5. **पाठ्यचर्या विवरण :** इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों हेतु लेखन कार्य करने का कौशल अर्जित कर सकेगा।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**36**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**08**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टुडियो/क्षेत्रकार्य	**32/2**
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम:

- विद्यार्थी रिपोर्टर, संपादक, फिल्म पत्रकार के रूप में कार्य करने की क्षमता का विकास करेंगे।
- विद्यार्थी मीडिया के विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन कार्यकरने में सक्षम होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु:

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद (यदि अपेक्षित है)	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1	**प्रिंट मीडिया लेखन** • प्रिंट मीडिया लेखन की अवधारणा एवं स्वरूप • प्रिंटमीडियालेखन : सावधानियां, दायित्व एवं चुनौतियां • प्रिंट मीडिया लेखन के क्षेत्र (समाचार, साक्षात्कार, फीचर, संपादकीय, स्तंभ एवं समीक्षा)	8	**2**	**10/2**	**15**	25%
मॉड्यूल-2	**रेडियो माध्यम के लिए लेखन** • रेडियो लेखन की अवधारणा • रेडियो लेखन : स्वरूपएवं तत्व • रेडियो समाचार लेखन की भाषा • रेडियो लेखन की सीमाएं एवं चुनौतियां • रेडियो लेखन: समाचार, फ़ीचर, वार्ता, फ़ोन-इन कार्यक्रम, नाटक	6	**2**	**14/2**	**15**	25%
मॉड्यूल-3	**टेलीविजन माध्यम के लिए लेखन** • टेलीविजन लेखन की अवधारणा एवं प्रारूप • टेलीविजन कार्यक्रमों की लेखन शैली • टेलीविजन लेखन के लक्ष्य, भाषा व दृष्टिकोण • समाचार, शॉर्ट फिल्म, वृत्तचित्र, धारावाहिक, वेब	6	**2**	**14/2**	**15**	25%

	सीरीज एवं विज्ञापन लेखन					
मॉड्यूल-4	**फिल्म माध्यम के लिए लेखन** • फिल्म पत्रकारिता की प्रासंगिकता • फिल्म पत्रकारिता के स्रोत एवं सामग्री संकलन • सिने समाचार, साक्षात्कार एवंवार्ता • प्रमोशन, शूटिंग रिपोर्ट एवं फ़िल्म समीक्षा • फ़िल्म स्क्रिप्ट : कथा, पटकथा एवं संवाद	6	**2**	**14/2**	**15**	25%
योग		**26**	**8**	**42/2**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल **15** घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यान, ई-व्याख्यान, परिचर्चा, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	पावर पॉइन्ट प्रेज़ेंटेशन, दृश्य- श्रव्य माध्यम, वेब पेज, ब्लॉग, सोशल, मीडिया, यू ट्यूब, मूडल्स
उपादान	लैपटॉप, मोबाइल, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स:

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य - 1**	**लक्ष्य - 2**	**लक्ष्य - 3**	**लक्ष्य - 4**	**लक्ष्य - 5**	**लक्ष्य - 6**	**लक्ष्य - 7**	**लक्ष्य - 8**	**लक्ष्य - 9**	**लक्ष्य - 10**	**लक्ष्य - 11**	**लक्ष्य - 12**	**लक्ष्य - 13**	**लक्ष्य - 14**	**लक्ष्य - 15**	**लक्ष्य - 16**	**लक्ष्य - 17**	**लक्ष्य - 18**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	-	-	-	-	**X**	-	-	-	-	-	-	-	**X**	**X**	-	-	**X**

टिप्पणी:

1 **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10.मूल्यांकन/ परीक्षा योजना:

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

बी.ए.जे.एम.सी. के लिए लिखित परीक्षा प्रारूप इस प्रकार होगी।

1	दीर्घ उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 3 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 15 अंक
2	लघु उत्तरीय	6 प्रश्नों में से 4 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 5 अंक
3	बहु विकल्पीय	5 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 1 अंक
			कुल 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**25**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

नोट : बी.ए.जे.एम.सी.की लिखित एवं आंतरिक परीक्षा के बीच 70:30 का अनुपात होगा। यदि परीक्षा ऑनलाइन आयोजित होती है तो लिखित एवं आंतरिक परीक्षा का अनुपात 70:30 का होगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टुडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण(APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. कुमार, केवल जे. (2017). *मास कम्युनिकेशन इन इंडिया* (हिंदी एवं अंग्रेजी संस्करण). मुंबई: जायको पब्लिकेशन. 2. Kamath, M V. (2002). *Professional journalisam.* New Delhi: Vikas 3. भट्ट, राजेंद्र शंकर. (1990). *पत्र, पत्रकार और पत्रकारिता.* नई दिल्ली: प्रकाशन विभाग. 4. हरिमोहन, समचार फीचर लेखन एवं संपादन के पाठ, तक्षशिला पब्लिकेशन, नई दिल्ली. 5. डॉ. देवव्रत सिंह, भारतीय इलेक्ट्रानिक मीडिया, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली. 6. एच.एच. मुस्ताफा जैदी, टेलीविजन समाचार लेखन और वाचन, सुलभ प्रकाशनि, लखनऊ. 7. सिनेशास्त्र: प्रशांत रंजन, स्वत्व प्रकाशन, पटना. 8. B.N. Ahuja & S.S. Chhabra, Reporting for Hens proper's, Magzinos, Radio & T.V.
3	ई-संसाधन	**https://swayam.gov.in/** **https://epgp.inflibnet.ac.in/** **http://hindivishwa.org/contentdtl.aspx?category=11** **https://www.openschoolofjournalism.com/**
4	अन्य	

द्वितीय सेमेस्टर

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. **पाठ्यचर्याका नाम :** **डिजिटल पत्रकारिता**
2. **पाठ्यचर्या का कोड :**
3. **क्रेडिट :** **04**
4. **सेमेस्टर :** **द्वितीय सेमेस्टर**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**36**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**08**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टुडियो/क्षेत्रकार्य	**32/2**
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण :

- इस पाठ्यचर्या द्वारा डिजिटल मीडिया का इतिहास, विस्तार, लेखन तथा सम्पादन तकनीक का अध्ययन करेंगे

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम:

- विद्यार्थी नवजनमाध्यमों की कार्यशैली में दक्ष होंगे।
- विद्यार्थी तकनीकी एवं साफ्टवेयर में कार्य करने में सक्षम होंगे।
- डिजिटल मीडिया क्षेत्र में कार्य करने में कुशल होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु:

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1	**सूचना प्रौद्योगिकी : उद्भव, स्वरूप एवं विकास** • डिजिटल मीडिया की अवधारणा • डिजिटल मीडिया व सोशल मीडिया की विकास यात्रा • सोशल मीडिया के क्षेत्र और उपकरण • सोशल मीडिया का प्रभाव	13 घंटे	2 घंटे	-	15 घंटे	25
मॉड्यूल-2	**डिजिटल मीडिया के विविध आयाम** • मीडिया कन्वर्जेंस • वर्चुअल रियलिटी • डिजिटल डिवाइड • डिजिटल डेमोक्रेसी	13 घंटे	2 घंटे	-	15 घंटे	25
मॉड्यूल-3	**डिजिटल मीडिया का उपयोग एवं प्रभाव** • डिजिटल मीडिया व यूथ एक्टिविज्म • डिजिटल मीडिया व अरब स्प्रिंग • डिजिटल मीडिया व ऑक्यूपाई वाल स्ट्रीट • डिजिटल मीडिया व भारत में भ्रष्टाचार के विरुद्ध आन्दोलन	**13** घंटे	2 घंटे		15 घंटे	25
मॉड्यूल-4	**डिजिटल मीडिया व बाजार** • सोशल मीडिया मार्केटिंग	**13** घंटे	2 घंटे		15 घंटे	25

	• वर्ड ऑफ़ माउथ से वर्ल्ड ऑफ़ माउथ • इंटरैक्टिव मार्केटिंग • यूजर जेनेरेटेड कंटेंट से प्रोफेशनली जेनेरेटेड कंटेंट तक					
योग		**52**	**08**	**--**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यान, ई-व्याख्यान, परिचर्चा, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	पावर पॉइन्ट प्रेज़ेंटेशन, दृश्य- श्रव्य माध्यम, वेब पेज, ब्लॉग, सोशल, मीडिया, यू ट्यूब, मूडल्स
उपादान	लैपटॉप, मोबाइल, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स :

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य - 1**	**लक्ष्य - 2**	**लक्ष्य - 3**	**लक्ष्य - 4**	**लक्ष्य - 5**	**लक्ष्य - 6**	**लक्ष्य - 7**	**लक्ष्य - 8**	**लक्ष्य - 9**	**लक्ष्य - 10**	**लक्ष्य - 11**	**लक्ष्य - 12**	**लक्ष्य - 13**	**लक्ष्य - 14**	**लक्ष्य - 15**	**लक्ष्य - 16**	**लक्ष्य - 17**	**लक्ष्य - 18**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	-	-	-	-	-	-	-	**X**	-	-	-	-	**X**	-	-	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10.मूल्यांकन/ परीक्षा योजना:

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

बी.ए.जे.एम.सी. के लिए लिखित परीक्षा प्रारूप इस प्रकार होगी।

1	दीर्घ उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 3 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 15 अंक
2	लघु उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 4 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 5 अंक
3	बहु विकल्पीय	5 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 1 अंक
			कुल 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	

निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टुडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ:

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• स्वर्ण सुमन (2014). *सोशल मीडिया.* हार्परकौलिंस पब्लिशर्स इंडिया
2	संदर्भ-ग्रंथ	• आरती सिंह एवं विभा ठाकुर (2018). *सोशल मीडिया में साहित्य का बदलता स्वरूप*. स्वराज प्रकाशन • विजय कुलश्रेष्ठम. *साइबर पत्रकारिता.*जयपुर,राजस्थान: राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, • JPMishra (2014). *An Introduction to Cyber Law.*Allahabad,UP: Central Law Publication • Steve Jones (2003). *Encyclopedia of New Media.* New Delhi: Sage Publications.
3	ई-संसाधन	**www.swayam.gov.in** **https://www.researchgate.net/publication/48382564_Online_Journalism_in_the_Information_Age** **https://shodhganga.inflibnet.ac.in/bitstream/10603/95125/4/chapter%201.pdf** **http://www.philol.msu.ru/~discours/images/stories/speckurs/New_media.pdf** **http://people.stern.nyu.edu/aghose/msi_4.pdf** **https://2012books.lardbucket.org/pdfs/a-primer-on-communication-studies/s16-new-media-and-communication.pdf**
4	अन्य	

1. **पाठ्यचर्याका नाम** : **प्रेस विधि**

2. **पाठ्यचर्याकाकोड** :

3. **क्रेडिट** : **2**

4. **सेमेस्टर** : **द्वितीय सेमेस्टर**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	26
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टुडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण :

विद्यार्थी इस पाठ्यचर्या के अंतर्गत समकालीन मीडिया में वैधानिक एवं मूल्यनिष्ठ दृष्टिकोण, नैतिक एवं नीतिगत उदाहरण, संचार एवं सूचना संबंधी अधिनियमों की व्याख्याओं का अध्ययन करेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम:

- विद्यार्थी मीडिया विधि के व्यावहारिक आयामों से अवगत होंगे।
- विद्यार्थी पेशवर पत्रकारिता हेतु वैधानिक एवं उच्च मानकों के साथ कार्य करने में दक्ष होंगे।
- विद्यार्थी मीडिया नियमन के अध्ययन से जनमानस को प्रेरणा देने में सक्षम होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		
मॉड्यूल-1	• भारत में स्वतन्त्रता पूर्व एवं पश्चात प्रेस विश्व तथा भारत में प्रेस की आवधारणा • भारत में स्वतंत्रता पूर्व एवं पश्चात प्रेस कानून • भारतीय संविधान में प्रेस की स्वतंत्रता • प्रेस पर निर्बन्धन के उपबंध • प्रेस और निजताके अधिकार • प्रेस और पुस्तक पंजीयन अधिनियम 1867 • शासकीय गोपनीयता अधिनियम 1923	**13**	**2**		**15**	50%
मॉड्यूल-2	• श्रमजीवी पत्रकार अधिनियम 1955 • प्रेस परिषद अधिनियम 1978 • प्रसार भारती अधिनियम 1990 • बौद्धिक संपदा के अधिकार, प्रमुख अधिनियमन व मीडिया में उपयोग • सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 • सूचना का अधिकार अधिनियम 2005	**13**	**2**		**15**	50%
योग		**26**	**4**	**--**	**30**	**100%**

टिप्पणी:

1. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यान, ई-व्याख्यान, परिचर्चा, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	पावर पॉइन्ट प्रेज़ेंटेशन, दृश्य- श्रव्य माध्यम, वेब पेज, ब्लॉग, सोशल, मीडिया, यू ट्यूब, मूडल्स
उपादान	लैपटॉप, मोबाइल, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स:

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य - 1**	**लक्ष्य - 2**	**लक्ष्य - 3**	**लक्ष्य - 4**	**लक्ष्य - 5**	**लक्ष्य - 6**	**लक्ष्य - 7**	**लक्ष्य - 8**	**लक्ष्य - 9**	**लक्ष्य - 10**	**लक्ष्य - 11**	**लक्ष्य - 12**	**लक्ष्य - 13**	**लक्ष्य - 14**	**लक्ष्य - 15**	**लक्ष्य - 16**	**लक्ष्य - 17**	**लक्ष्य - 18**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	-	-	**X**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	**X**	-	-	-	**X**

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10.मूल्यांकन/ परीक्षा योजना:

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

बी.ए.जे.एम.सी. के लिए लिखित परीक्षा प्रारूप इस प्रकार होगी।

1	दीर्घ उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 3 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 15 अंक
2	लघु उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 4 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 5 अंक
3	बहु विकल्पीय	5 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 1 अंक
			कुल 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टुडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• त्रिखा नंदकिशोर. प्रेस विधि. वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• शर्मा ब्रजकिशोर, भारत का संविधान.नई दिल्ली : प्रेंटिस हॉल ऑफ इंडिया . • Neelmalar, M. (2016). Media Law and Ethics. New Delhi: PHI Learning Private Limited. • Jain, M.P. (2008). Indian Constitution Law. Nagpur: Wadhwa& Company. • Wadehra, B.L. (2003). Patents Trade Marks Copyright Designs & Geographical Indications. New Delhi, Universal Law Publishing. • Dhirajlal&Ratanlal. The Indian Penal Code.Nagpur, Wadhwa& Company.
3	ई-संसाधन	• **http://www.jru.edu.in/wp-content/uploads/moocs/e-books/journalism-and-mass-communication/Media_Ethics_Laws.pdf** • **https://old.o94.at/wp-content/uploads/Introduction-to-Media-Law_EN.pdf** • **https://www.loyolacollege.edu/e-document/viscom/Prof.Bharathi/Handbook_of_Mass_Media_Ethics.pdf** • **https://epgp.inflibnet.ac.in/** • **https://swayam.gov.in/**
4	अन्य	

1. **पाठ्यचर्याका नाम : फोटो पत्रकारिता**

2. **पाठ्यचर्या का कोड :**

3. **क्रेडिट : 02**

4. **सेमेस्टर : द्वितीय सेमेस्टर**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	14
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टुडियो/क्षेत्रकार्य	24/2
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. **पाठ्यचर्या विवरण:**

- विद्यार्थी फोटो पत्रकारिता के क्षेत्र से संबन्धित तकनीकी ज्ञान एवं नई जांकारियों से अवगत होते हुए फोटो पत्रकारिता के क्षेत्र में कैरियर निर्माण एवं व्यवसाय की संभावनाओं के संदर्भ में ज्ञान अर्जित करेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम:

- विद्यार्थी विभिन्न संस्थानों में फोटोग्राफर के रूप में कैरियर बनाने में सक्षम होंगे।
- प्रिंट मीडिया के क्षेत्र में फोटो पत्रकार के रूप में क्षमता का विकास।
- प्रेस रिपोर्टर, फोटो संपादक, फोटो फीचर संपादक के रूप में कार्य करने में दक्ष।
- फोटोग्राफी के क्षेत्र में व्यवसाय आरंभ करने में सक्षम।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल/ संवाद** (यदि अपेक्षित है)	**प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला**		
मॉड्यूल-1	**फोटो पत्रकारिता एवं कैमरे का परिचय** • फोटो पत्रकारिता • फोटो पत्रकार के गुण एवं दायित्व • फोटो पत्रकारिता की सावधानियां एवं चुनौतियां • फोटो पत्रकारिता के क्षेत्र • कैमरे का परिचय • कैमरा लेंस, शटर स्पीड, अपर्चर	08	02	10/2	15	50
मॉड्यूल-3	**फोटोग्राफी का तकनीकी पक्ष एवं संपादन प्रक्रिया** • कैमरा हैंडलिंग, कैमरा एंगल • कैमरा शॉट्स • फोटोग्राफी: फ्रेम एवं कंपोजीशन • कैमरालाइटिंग तकनीक: 1/2/3/ लाइटिंग • फोटो संपादनसॉफ्टवेयर • फोटो संपादन तकनीक एवं चयन की प्रक्रिया	06	02	**14/2**	15	50
योग		**14**	**04**	**24/2**	**30**	**100**

टिप्पणी:

1. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यान, ई-व्याख्यान, परिचर्चा, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	पावर पॉइन्ट प्रेज़ेंटेशन, दृश्य- श्रव्य माध्यम, वेब पेज, ब्लॉग, सोशल, मीडिया, यू ट्यूब, मूडल्स
उपादान	लैपटॉप, मोबाइल, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स :

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य - 1**	**लक्ष्य - 2**	**लक्ष्य - 3**	**लक्ष्य - 4**	**लक्ष्य - 5**	**लक्ष्य - 6**	**लक्ष्य - 7**	**लक्ष्य - 8**	**लक्ष्य - 9**	**लक्ष्य - 10**	**लक्ष्य - 11**	**लक्ष्य - 12**	**लक्ष्य - 13**	**लक्ष्य - 14**	**लक्ष्य - 15**	**लक्ष्य - 16**	**लक्ष्य - 17**	**लक्ष्य - 18**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	-	-	-	-	-	-	**X**	-	**X**	-	-	-	**X**	**X**	**X**	-	**X**

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना:

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा(70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	**08**	10	
पूर्णांक	30				70

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टुडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण(APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य	• सिंह, विष्णु प्रिया. (year). *डिजिटल फ़ोटोग्राफ़ी (हिंदी).*दिल्ली: कम्प्यूटेकप्रकाशन लिमिटेड.

	ग्रंथ	• बुक्स, कार्लटन. (year). *प्रैक्टिकल फोटोग्राफी डिजिटल कैमरा स्कूल: महान चित्र लेने के लिए कदम दर कदम गाइड*. लंदन: कार्लटन बुक्स लिमिटेड.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• यादव, नरेंद्र सिंह. (year). *फोटोग्राफी तकनीक और उपयोग*.राजस्थान: राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. • हसन, रियाज. (year). *डिजिटल फोटोग्राफी (हिंदी)*. जयपुर, राजस्थान: बूक एन्क्लेवप्रकाशन.
3	ई-संसाधन	https://swayam.gov.in/ https://epgp.inflibnet.ac.in/ https://www.openschoolofjournalism.com/ https://www.flickr.com/photos/tags/flicker/ https://www.worldphoto.org/
4	अन्य	

1. **पाठ्यचर्या का नाम : प्रिंट मीडिया न्यूज़ प्रोडक्शन (प्रायोगिक)**
2. **पाठ्यचर्या का कोड :**
3. **क्रेडिट : 02**
4. **सेमेस्टर : द्वितीय सेमेस्टर**
5. **पाठ्यचर्या विवरण:**
   - समाचार पत्र एवं पत्रिका के प्रकाशन हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण की बारीकियों एवं तकनीक संबंधी ज्ञान अर्जित किया जाएगा।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	10
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	--
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टुडियो/क्षेत्रकार्य	40/2
कौशल विकास गतिविधियाँ	--
कुल क्रेडिट घंटे	30

6. **अपेक्षितअधिगमपरिणाम**
   - विद्यार्थी समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं के विषय वस्तु का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
   - विद्यार्थी समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं के पेज डिजाइन करने में तकनीकी रूप से सक्षम होंगे।
   - विद्यार्थी समाचार पत्र, पत्रिका एवं वॉल मैग्जीन का प्रकाशन करने में दक्ष होंगे।

7. **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		
मॉड्यूल-1	1. पेज मेकर और क्वार्क सक्सप्रेस पर केंद्रित कार्य	05		20/2	15	50%
मॉड्यूल-2	1. समाचार, समीक्षा एवं लेख-लेखन एवं उनकी प्रस्तुति निर्माण	05		20/2	15	50%
योग		**10**		**40/2**	**30**	**100%**

8. **शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:**

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यान, ई-व्याख्यान, परिचर्चा, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	पावर पॉइन्ट प्रेज़ेंटेशन, दृश्य- श्रव्य माध्यम, वेब पेज, ब्लॉग, सोशल, मीडिया, यू ट्यूब, मूडल्स
उपादान	लैपटॉप, मोबाइल, प्रोजेक्टर

9. **पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स:**

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य - 1	लक्ष्य - 2	लक्ष्य - 3	लक्ष्य - 4	लक्ष्य - 5	लक्ष्य - 6	लक्ष्य - 7	लक्ष्य - 8	लक्ष्य - 9	लक्ष्य - 10	लक्ष्य - 11	लक्ष्य - 12	लक्ष्य - 13	लक्ष्य - 14	लक्ष्य - 15	लक्ष्य - 16	लक्ष्य - 17	लक्ष्य - 18
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम	-	-	-	-	-	-	X	-	-	-	-	-	-	X	X	-	-	X

परिणाम की प्राप्ति																		

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• मुद्रण एवं सज्जा- डॉ देवदत्त शर्मा एवं विनोद शर्मा–हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर • मुद्रण माध्यम एवं संपादन– डॉ विजय कुलश्रेष्ठ, पंचशील प्रकाशन, जयपुर • संपादन, पृष्ठसज्जा और मुद्रण – प्रो रमेश जैन, मंगलदीप पब्लिकेशन, जयपुर • आधुनिक पत्रकारिता– डॉ अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, नई दिल्ली • पत्रकार और पत्रकारिता प्रशिक्षण – अरविंद मोहन, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. **पाठ्यचर्या का नाम : इलेक्ट्रॉनिक मीडिया न्यूज़ प्रोडक्शन (प्रायोगिक)**
2. **पाठ्यचर्या का कोड :**
3. **क्रेडिट : 02**
4. **सेमेस्टर : द्वितीय सेमेस्टर**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	10
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	--
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टुडियो/क्षेत्रकार्य	40/2
कौशल विकास गतिविधियाँ	--
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. **पाठ्यचर्या विवरण:**
   - इलेक्ट्रॉनिक मीडिया न्यूज़ प्रोडक्शनहेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण की बारीकियों एवं तकनीक संबंधी ज्ञान अर्जित किया जाएगा।
6. **अपेक्षितअधिगम परिणाम**
   - विद्यार्थी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया न्यूज़ प्रोडक्शन के विषय वस्तु का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
   - विद्यार्थी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया न्यूज़ बुलेटिन के निर्माण कार्य को तकनीकी रूप से समझने में सक्षम होंगे।
   - विद्यार्थी विज्ञापन निर्माण, शॉर्ट फ़िल्म, वृत्तचित्र निर्माण करने में दक्ष होगा।
7. **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		
मॉड्यूल-1	• कैमरा संचालन • शॉट कॉम्पोज़िशन • वीडियो संपादन तकनीक पर केंद्रित कार्य	05		20/2	15	50%
मॉड्यूल-2	• पीटीसी, समाचार लेखन, विज्युअल कलेक्शन, वायस ओवर, समाचार बुलेटिन निर्माण, रेडियो फीचर, समाचार, परिचर्चा, साक्षात्कार इत्यादी	05		20/2	15	50%
योग		**10**		**40/2**	**30**	**100%**

8. **शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :**

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यान, ई-व्याख्यान, परिचर्चा, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	पावर पॉइन्ट प्रेज़ेंटेशन, दृश्य- श्रव्य माध्यम, वेब पेज, ब्लॉग, सोशल, मीडिया, यू ट्यूब, मूडल्स
उपादान	लैपटॉप, मोबाइल, प्रोजेक्टर

9. **पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स :**

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य - 1	लक्ष्य - 2	लक्ष्य - 3	लक्ष्य - 4	लक्ष्य - 5	लक्ष्य - 6	लक्ष्य - 7	लक्ष्य - 8	लक्ष्य - 9	लक्ष्य - 10	लक्ष्य - 11	लक्ष्य - 12	लक्ष्य - 13	लक्ष्य - 14	लक्ष्य - 15	लक्ष्य - 16	लक्ष्य - 17	लक्ष्य - 18
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	-	-	-	-	-	-	X	-	-	-	-	X	X	-	X	-	X

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• जैदी, एच एच मुस्तफा. (2001). *टेलीविज़न समाचार लेखन और वाचन*. लखनऊ: सुलभ प्रकाशन. • बाजपेई, पुण्य प्रसून. (2006). *एंकर रिपोर्टर*. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन. • सिंह, डॉ. देवव्रत. (2007). *भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया*. दिल्ली: प्रभात प्रकाशन. • वजाहत, असगर और रंजन, प्रभात. (2001). *टेलीविज़न लेखन*. दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. **पाठ्यचर्या का नाम : मोबाइल पत्रकारिता**

2. **पाठ्यचर्या का कोड :**

3. **क्रेडिट : 04**

4. **सेमेस्टर : द्वितीय सेमेस्टर**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**52**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**8**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टुडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

5. **पाठ्यचर्या विवरण :**

- इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक मीडिया के नवाचार तकनीक से अवगत होते हुए मोबाइल पत्रकारिता की कार्यशैली में दक्षता हासिल कर सकेगा।

6. **अपेक्षित अधिगम परिणाम:**

- विद्यार्थी आधुनिक मीडिया की नवाचार तकनीक में कार्य करने में सक्षम होंगे।
- विद्यार्थी को मोबाइल पत्रकारिता की कार्यशैली से तकनीकी दक्षता का ज्ञान होगा।
- विद्यार्थी मोबाइल पत्रकारिता (मोजो) तकनीकी एवं साफ्टवेयर पर कार्य प्रशिक्षण से तकनीकी रूप से सक्षम होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु:

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद (यदि अपेक्षित है)	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1	**मोबाइल पत्रकारिता : दृष्टि एवं दिशा** • उद्भव और विकास • पत्रकारिता का नया दौर • मोबाइल पत्रकारिता का प्रभाव • सेल्फी पत्रकारिता • भविष्य एवं चुनौतियां	13	02		15	**25**
मॉड्यूल-2	**मोबाइल पत्रकारिता: तकनीक एवं कार्य पद्धति** • आवश्यक तकनीकी संसाधन • प्रमुख उपयोगी ऐप • मोबाइल से पत्रकारिता की प्रविधि • मोबाइल पत्रकारिता की प्रविधि • लाइवस्ट्रीमिंग	13	02		15	**25**
मॉड्यूल-3	**मोबाइल पत्रकारिता: डिजिटल एवं ऑनलाइन** • मोजो प्रसारण- टीवी पर • मोजो प्रसारण- रेडियो पर • मोजो प्रसारण- सोशल मीडिया पर • मोजो न्यूज गेदरिंग – समाचार पत्र में • मोजो संपादन – पोर्टल पर	13	02		15	**25**
मॉड्यूल-4	**मोजो पत्रकारिता: विविध आयाम**	13	02		15	**25**

	• **स्ट्रिंग ऑपरेशन** • गूड न्यूज, बैड न्यूज़, फेक न्यूज़ • हैशटैग जर्नलिज्म • वाद-विवाद • शक्ति और सीमा					
योग		**52**	**08**		**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यान, ई-व्याख्यान, परिचर्चा, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	पावर पॉइन्ट प्रेज़ेंटेशन, दृश्य- श्रव्य माध्यम, वेब पेज, ब्लॉग, सोशल, मीडिया, यू ट्यूब, मूडल्स
उपादान	लैपटॉप, मोबाइल, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स :

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य - 1**	**लक्ष्य - 2**	**लक्ष्य - 3**	**लक्ष्य - 4**	**लक्ष्य - 5**	**लक्ष्य - 6**	**लक्ष्य - 7**	**लक्ष्य - 8**	**लक्ष्य - 9**	**लक्ष्य - 10**	**लक्ष्य - 11**	**लक्ष्य - 12**	**लक्ष्य - 13**	**लक्ष्य - 14**	**लक्ष्य - 15**	**लक्ष्य - 16**	**लक्ष्य - 17**	**लक्ष्य - 18**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	-	-	-	-	-	-	-	**X**	-	-	-	-	**X**	-	-	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10.मूल्यांकन/ परीक्षा योजना:

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

बी.ए.जे.एम.सी. के लिए लिखित परीक्षा प्रारूप इस प्रकार होगी।

1	दीर्घ उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 3 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 15 अंक
2	लघु उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 4 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 5 अंक
3	बहु विकल्पीय	5 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 1 अंक
			कुल 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन (30%)					सत्रांत परीक्षा (70%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टुडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ :

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• झिंगरन, प्रभु. (2021). मोबाइल पत्रकारिता: अवधारणा संभावनायें और तकनीक. वाराणसी : भारती प्रकाशन. • कौस्तुभ, डॉ. कुमार. (2019). मोबाइल पत्रकारिता. नई दिल्ली : के. के. पब्लिकेशन. • राय, डॉ. अनिल कुमार. (2006). संचार प्रौद्योगिकी और जन माध्यम, नई दिल्ली: यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. • कुमार, सुरेश. (2004). इन्टरनेट पत्रकारिता. नई दिल्ली: तक्षशिला प्रकाशन. • हिल स्टीव एवंब्रेडशॉ पॉल. (2018). मोबाइल-फ़र्स्ट जर्नलिज्म: सोशल और इंटरेक्टिव मीडिया. लंदन, यूनाइटेड किंगडम: रूटलेज, • Rai, Dr. Anil Kumar. (2007). Community Journalism. New Delhi: shree Publishers. • Stewart, Feter. (2017). The live Streaming handbook: How to create live video for social media on your phone and desktop. Routledge.
3	ई-संसाधन	• www.mojo-manual.org • www.journaliststoolbox.org • www.mobile-storytelling.com
4	अन्य	